RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 12 अंक : 1 जनवरी – मार्च 2026

सभी धर्म नेत्रदान का समर्थन करते हैं

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

सम्पादकीय

वर्ष 2026 का प्रथम अंक आपके हाथ में सौंपते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है । यह अंक विशेष है ! विशेष इस दृष्टि से की गत वर्ष के कॉर्निया संग्रहण को हम एक दृष्टि में देखकर यह समीक्षा कर सकते हैं कि इस वर्ष हमें अपनी कार्य योजना में किन बातों को प्राथमिकता देनी है जिससे कॉर्निया संग्रहण में वृद्धि हो सके ।

आंखें शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। इसे हम अब तक दृष्टि की उपयोगिता, प्राकृतिक सुंदरता, जीवन में विभिन्न कार्यों में दृष्टि के बिना होने वाली कठिनाइयां आदि से समझते रहे हैं। मुझे हर्ष है कि नेत्र एवं उनके स्वस्थ रहने का महत्व, विभिन्न बीमारियों, दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए सुविधाएं आदि विषयों पर विश्व के विभिन्न देशों द्वारा जारी किए गए डाक टिकटों पर श्री राजेश पहाड़िया जी का एक लेख इस पत्रिका में दिया जा रहा है। उनके इस शोध पूर्ण लेख को हमारे सृजनशील सदस्य श्री रवि कामरा जी द्वारा उपलब्ध करवाया गया है। हम आप दोनों के ही आभारी है।

सभी धर्मो में दया परोपकार जैसी मानवीय भावनाएं बताई तो जाती है लेकिन मानवीय भावनाओं के अंतर्गत शरीर के साथ ही नष्ट होने वाले नेत्रों का दान कर किसी नेत्रहीन को दृष्टि प्रदान करने की बात केवल बौद्धधर्म के गुरु अपने सभी अनुयायियों को कहते हैं। नेत्रदान का समर्थन सभी धर्म करते हैं। कुछ दूरदर्शी एवं मानव सेवा के समर्थक धर्मगुरु वर्तमान में अपने अनुयायियों को नेत्रदान करने की बात अपने प्रवचन में बताते हैं। समाज में यह आम विश्वास है कि धर्म गुरु की बात लोग केवल सुनते ही नहीं बल्कि उन पर विश्वास भी करते हैं। उनकी बात को मानने में खुशी एवं पुण्य कार्य समझते हैं।

इन सभी प्रयासों से लोगों की सोच में परिवर्तन भी आने लगा है। अपने प्रियजन के देहांत के बाद वे नेत्रदान की पहल करने लगे हैं और इस प्रकार नष्ट होते कॉर्निया को उपलब्ध करवा कर दृष्टिहीन को रोशनी देने की मानवीय पहल करते हैं।

इस पहल के लिए हमारी संस्था उनके परिवारजन को सम्मानित करती है। इस बार, एक मार्च 2026 को ऐसा एक आयोजन किया गया जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे मुख्य अतिथि थी। उनके उद्धबोधन में स्पष्ट झलक रहा था कि वे नेत्रहीन व्यक्तियों का दर्द समझ रही थी। नेत्रदान की इस मुहिम मैं समाज के हर वर्ग विशेष कर युवाओं को आगे आकर इस संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का उन्होंने आव्हान किया। कार्यक्रम के बाद अपने फेसबुक पर उन्होंने एक संदेश फोटोग्राफ सहित लगाया, जिसे उनके 1.4 मिलियन फॉलोवर्स ने पढ़ा होगा ।उनकी यह पहल नेत्रदान की जागरूकता का संदेश जन–जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गई। उनका यह सन्देश पत्रिका में आप आगे पढ सकते हैं।

किसी ने सच ही कहा है–

आँखें खूबसूरत नही होती,
आँखों से खूबसूरती होती है।

उषा बापना
संपादक

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय मित्रों,

नेत्र ज्योति के इस अंक में हमारी उपलब्धियों का विवरण वर्ष 2025 के प्रारम्भ से लेकर 31 मार्च, 2026 तक प्रस्तुत किया गया है। आई बैंक की स्थापना से लेकर अब तक हमने 27,500 कॉर्निया एकत्रित कर 17,800 दृष्टिबाधित व्यक्तियों की दृष्टि पुन: स्थापित की है। अब ये लोग परिवार पर आश्रित होने के बजाय परिवार के सहारा बन गए हैं। इससे लगभग 85,000 परिवारजन के जीवन में प्रसन्नता आई है।

वर्ष 2026 की पहली तिमाही में हमने अपनी समग्र उपयोगिता दर को 55% से बढ़ाकर 76% तक पहुंचाया है। हमारे कुछ तकनीशियन लगभग 90% तक की उपलब्धि हासिल कर रहे हैं। यह उनके कार्य करने के कौशल और गुणवत्तापूर्ण कार्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह भी हर्ष का विषय है कि नए केन्द्रों से समर्पित कार्यकर्ता उभर रहे हैं। उदाहरण स्वरूप श्री निलेन्द्र सिंह (ईडीसी, बीकानेर), श्री अनुराग सारस्वत (श्रीगंगानगर) और श्री चेतन प्रकाश (भीलवाड़ा) ने इस तिमाही में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने नई आशा जगाई है।

हमारा प्रयास रहा है कि विभिन्न शुभचिन्तकों की राय को हमारे मिशन में सम्मिलित किया जाए ताकि पाठकों को व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त हो सके। इसी क्रम में श्री राजेश पहाड़िया ने विभिन्न देशों के डाक टिकटों में नेत्र सम्बन्धी विषयों पर लेख लिखा है, जो रोचक है। इसी प्रकार श्री पी.सी. जैन ने समझाया है कि टाइम बैंक में सामाजिक सेवा का कार्य कर रहे समर्पित सदस्य अपने इस कार्य के साथ ही नेत्रदान के कार्य में भी सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमने उन परिवारों का सम्मान किया जिन्होंने अपने प्रियजन की आँखें दान की। यह कार्यक्रम राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे और पद्मभूषण डॉ. डी.आर. मेहता की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। कुल 70 परिवारजनों को सम्मानित किया गया। यह क्षण कई परिवारों के लिए अत्यन्त भावुक था, जब उनके योगदान को समाज ने सम्मान और स्नेह के साथ स्वीकारा। कई बार मुख्य अतिथि भी उनके प्रियजनों के नेत्रदान की कथा सुनकर भावुक हो उठे। यह अवसर हमारे शुभचिन्तकों के समक्ष हमारे प्रदर्शन को प्रस्तुत करने का भी रहा। मुझे विश्वास है कि ऐसे आयोजन औरों को भी नेत्रदान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

यह आवश्यक है कि हम सेवा के लिए समर्पित समान विचारधारा वाले सामाजिक संगठनों के साथ सहयोग बढ़ाएं ताकि नए कार्य क्षेत्रों तक पहुँच बनाई जा सके। हमें छोटे शहरों और शहरी क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति प्रभावी ढंग से दर्ज करनी होगी, जहां से पर्याप्त कॉर्निया प्राप्त किए जा सकते हैं।

मैं हमारे सभी टीम सदस्यों और चेप्टर प्रतिनिधियों से अनुरोध करता हूँ कि वे इस वर्ष अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें जिससे हमारे नेत्र बैंक का प्रदर्शन और ऊँचाइयों तक पहुँच सके।

हमारे सदस्यों, मित्रों और समर्थकों से नए क्षेत्रों को कवर करने या नए प्रोजेक्ट बनाने के सम्बन्ध में उनके मूल्यवान सुझावों की प्रतीक्षा रहती है ताकि हम समाज को अपनी सेवाएँ और बेहतर दे सकें।

ईबीएसआर टीम के सभी सदस्यों को उनके समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए अपनी ओर से हार्दिक आभार एवं शुभकामनाएँ प्रकट करता हूँ।

सभी को मेरी शुभकामनाएँ

बी एल शर्मा
अध्यक्ष

A Journey of Hope and Light in 2025

Imagine a world where there are no colors, only perpetual darkness. Around us, millions of individuals have accepted this darkness as their destiny. However, our eyes, which would otherwise turn to ash upon our passing, have the power to infuse vibrant light into someone's dim world. In 2025, our society and dedicated volunteers transformed this sentiment into a monumental movement. The milestones we have achieved in this 'Vision Donation' journey are not just statistics; they represent the smiles of thousands who have been granted an opportunity to see the world.

EBSR On the Path of Progress: Remarkable Achievements of 2025

The data stands as a testament that awareness and well-directed efforts never go in vain. The year 2025 has proven to be a historic chapter for us. This year, we channeled our energy not only into eye collection but also into ensuring successful corneal transplants.

Compared to the previous year (2024), we collected **2,624 corneas** this year (an increase of 78). Even more significant is the success of our clinical applications, with **1,745** corneas successfully transplanted (79 more than last year). These figures have propelled our 'Utilization Rate' to an impressive **66.5%.**

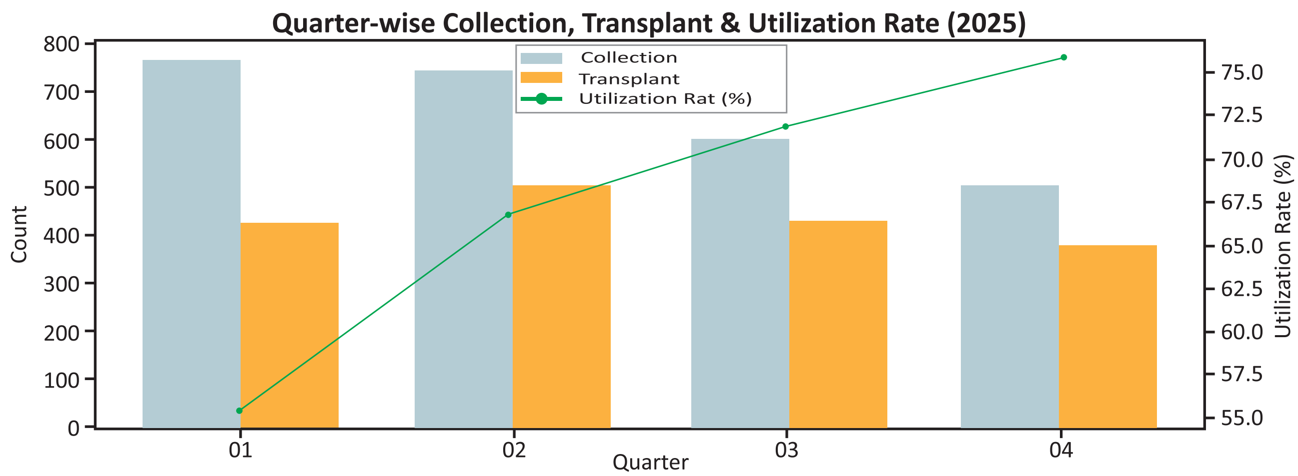

- **Q1:** Collection: 770 | Transplants: 428 | Utilization: 55.5%
- **Q2:** Collection: 748 | Transplants: 501 | Utilization: 66.9%
- **Q3:** Collection: 604 | Transplants: 435 | Utilization: 72.0%
- **Q4:** Collection: 502 | Transplants: 381 | Utilization: 75.9%

The present graph is illustrating that we began the year with a 55.5% utilization rate in Q1 and reached a peak efficiency of 75.9% by the end of the year in Q4.

HCRP and Voluntary Donation: Two Paths, One Goal

The two strongest pillars of eye donation are Voluntary Donation and the Hospital Cornea Retrieval Program (HCRP). This year's analysis reveals a very positive trend.

The hospital-based HCRP program has yielded exceptional results. This year, 1,689 corneas were retrieved under HCRP, of which 1,231 were successfully transplanted. A **utilization rate of 73.0%** proves how effective timely counseling in hospitals can be. On the other hand, voluntary donations from conscious citizens provided 935 corneas, restoring sight to 514 (55.0%) individuals.

	Q1	Q2	Q3	Q4	Total
Total Vol. Coll.	212	240	210	273	935
Total Vol. Tx	62	129	126	197	514
Utilization Rate (In %)	29.25	53.75	60.00	72.16	55.0
Total HCRP Coll.	558	508	394	229	1689
Total HCRP Tx	366	372	309	184	1231
Utilization Rate (In %)	65.59	73	78.43	80.35	73
Total Coll.	770	748	604	502	2624
Total Tx	428	501	435	381	1745
Utilization Rate (In %)	55.58	66.98	72.02	75.90	66.5

The significant contribution of both HCRP and Voluntary donations to total transplants.

Our Inspiration: 'Star Performers' Gallery

No campaign can succeed without the warriors working at the grassroots level. The grand success of 2025 is a direct result of the tireless efforts of our various chapters. Let's take a look at the champions who demonstrated excellence in the field of eye donation this year.

The Leaders of 2025

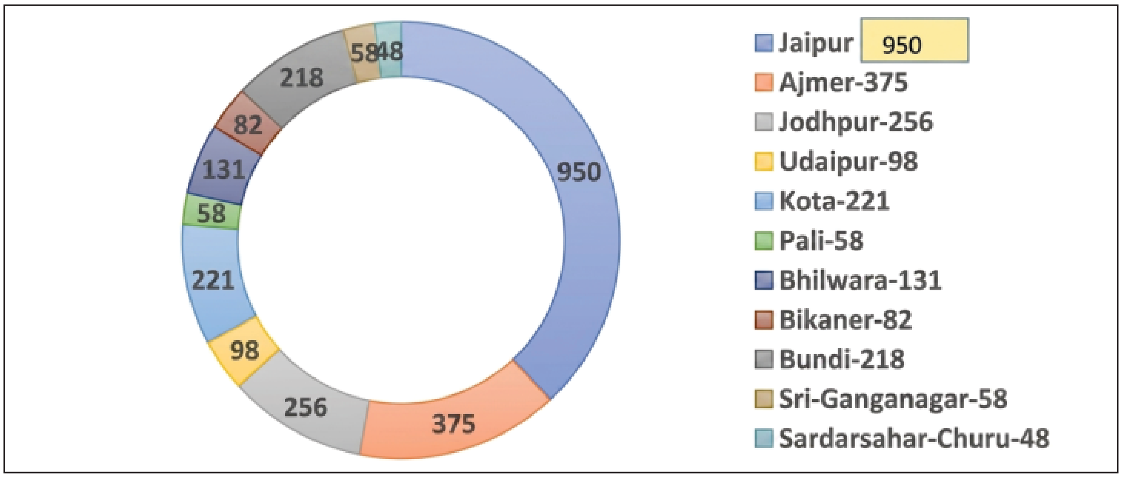

In a year defined by record-breaking statistics, the **Jaipur Chapter** emerged as the **Annual Star Performer,** securing the top rank through its flawless coordination and high utilization efficiency. Their leadership has set a new benchmark for excellence in corneal retrieval and transplant management.

Following closely in this competitive landscape, the **Ajmer Chapter** was the **Annual Runner-Up.** Their consistent performance across all four quarters and their rapid response in hospital counseling have been instrumental in bridging the gap between donors and recipients. We also extend our heartfelt congratulations to the **Jodhpur** and **Kota** chapters for securing the third and fourth positions respectively.

The Backbone of Our Success: A Tribute to the EBSR Team

While our chapters provide the local reach, the true engine behind these historic numbers is the exceptional workforce of EBSR. The year 2025 has been a testament to the tireless dedication, technical precision, and empathetic spirit of our employees. From the counselors who navigate delicate conversations with grieving families to the technical staff ensuring the highest standards of corneal preservation, every member of the EBSR family has played a pivotal role.

This year, we are proud to highlight individual brilliance within our ranks. **Mr. Tinkoo Ojha (Kota EDCt)** was recognized as the **Annual Individual Star Performer** with an outstanding score of **887**, reflecting his relentless drive and technical mastery. Joining him in the spotlight is **Sh. Bharat Ji (Assistant Manager, Ajmer),** who was awarded the **Annual Runner-Up** with a remarkable score of **869.** Their personal commitment is a microcosm of the spirit that defines our organization.

ANNUAL STAR PERORMER
Tinkoo Ojha
Kota
Score : 887

ANNUAL STAR RUNNER UP
Bharat Kumar Sharma
Ajmer
Score : 869

Our field workers and laboratory teams have often worked beyond the call of duty, ensuring that every donation is handled with the utmost dignity and efficiency. We salute our employees for being the silent heroes who work behind the scenes to turn the vision of a "Blindness-Free Rajasthan" into a reality. Their professionalism is the foundation upon which our success is built.

A Step Toward the Light...

While the statistics of 2025 give us cause for celebration, they also remind us that many are still waiting for the light we can provide. Our rising utilization rate, now approaching 76%, reflects the strength of our medical and coordination systems.

Now it is your turn. Join this grand mission. Take a pledge to donate your eyes during your lifetime and inform your family of your wish. Remember, a small decision by you can create a new and beautiful world for someone else.

Priyanka Swami
Manager - EBSR

Vision Beyond Sight : The Global Story through Stamps

Rajesh Paharia

Mr. Rajesh Paharia a business man dealing in Motor Tyres & Lubricants. He is a renowned Philatelist as the Secretary General of the Philatelic Society of Rajasthan. With vast knowledge about Philately he dominates the International Philatelic World by his passion.

We are greatfull to Shri Ravi Kamra for getting this article

Russia issued beautiful stamps on 'Eyes' with different expressions.

Eyes are truly one of the most remarkable and important parts of the human body. As the primary sensory organ for vision, our eyes allow us to perceive and interact with the world around us in rich detail. But eyes matter for so much more than just sight. The eyes are a window to the soul, as the saying goes. Eyes do the physical part of seeing, send signal and allow our brain to build a picture that we see.

Challenges to Eyes :

Inadequate Nutrition :

Inadequate nutrition severely impacts eye health, causing issues from dry eyes and poor night vision to severe conditions like night blindness , cataracts , macular degeneration, and even blindness. Due to deficiencies in Vitamins A, C, E, B vitamins, zinc, and omega-3s, which are crucial for retinal function, preventing oxidative damage and maintaining ocular tissue integrity , it increase risk for chronic diseases like AMD, affecting central vision.

Infection: River Blindness

River blindness, or onchocerciasis, is a parasitic disease from worms spread by infected blackflies that breed in fast rivers, causing severe itching, skin conditions, and vision loss, potentially leading to irreversible blindness

It is most spreaded in African countries thus most stamps

Diabetes & High Blood Pressure:

Diabetes and high Blood pressure are big cause of Eye loss in today's sedentary lifestyle.

Dominican Republic stamp shows Eye, Heart and slogan 'Control Diabetes'

USA stamp image portrays to know more about Diabetes to save from Eye sight

An Austrian stamp issued in 1979 show eyes damage due to Diabetes

Support System for Blind :

A white cane is a mobility tool used by people who are blind or visually impaired for safe navigation, acting as an extension of the body to detect obstacles, changes in terrain, and hazards, while also signaling to the public that the user has a visual impairment, promoting awareness and care.

Guide Dogs for the blind are well represented on stamps. The two most common breeds are German shepherd and Labrador Retriever. The Dogs always walk on the left side of the masters unless patients have disability on his/her left side of the body. Below are stamps showing Dogs helping Blinds to walk safely.

The Braille System :

The Braille system is a tactile reading and writing method for blind and visually impaired people, using patterns of raised dots in six-dot cells that are felt with fingertips to represent letters, numbers, and punctuation, enabling literacy and independence in reading books, signs, and digital content. Invented by Louis Braille, it's a code for many languages, not a language itself, allowing access to written information through touch.

Blind School :

Blind schools are specialized educational institutions providing tailored learning for visually impaired students, focusing on accessible materials (like Braille), assistive tech, and life skills (mobility, daily living) for independence. Calcutta Blind School was founded by philanthropist Rev. Lal Bihari Shah in 1894. It is one of the rare instances when India Posts has issued stamp with braille info sheet.

Benin issued stamp showing Blind School established with help of Rotary Club India issued stamp on Calcutta Blind School,

Greece issued stamp on 50th anniv of Athens Eye Hospital in year 1999

Nepal issued stamp on 25th anniv of Nepal Eye Hospital in year 1999.

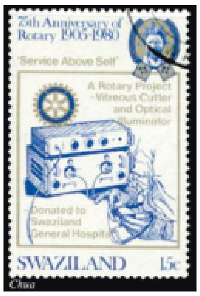

Swaziland issued stamp showing Vitreous Cutter and Optical illuminator donated by Rotary Club which has been working on Eye Donation for long time.

Eye camps are conducted by Eye Hospitals and Ophthalmologists with the help of social organisations including Clubs like Lions. Kenya issued stamp on Eye camps organised by Lions Club.

Dominican Republic issued stamp on Cornea Bank in year 1991 . A corneal transplant is a surgical procedure that replaces part of person,s cornea with corneal tissue of eye donor.

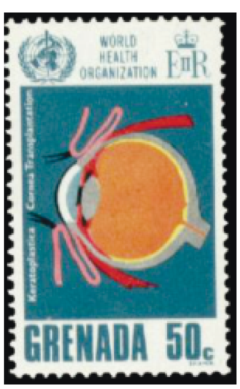

Cornea Transplant :

Grenada issued stamp in year 1968 depicting Cornea

Eye donation is the gift of sight, allowing corneas to be transplanted to restore vision for those with corneal blindness, a simple, selfless act where nearly anyone can pledge to donate eyes after death, with a quick, non-disfiguring procedure performed by eye banks, helping others see, and dispelling myths about age or existing conditions.

Bangladesh co memorated its Medical Student,s Association. It depicted slogan 'Posthumous Eye Donation – The Best Will'

Turkey issued stamp in year 1988 showing Eye donation with open hands

Sri Lanka issued stamp in year 1982 with credits to Eye donation Society and Lions Club working for Eye Donation

Thailand stamp issued in 1979 show Eye ,Blind people and slogan 'Give Eyes , give New Life'

China stamp Depicting Eye operation for Cornea Transplant

Costa Rica issued set of 3 stamps on Cornea Bank with image of its founder Aberlardo Rojas

Special cover issued on subject of 'Drushti Daan' Eye Donation also show slogan 'Do Not Burn…..Do Not Bury…..Donate your Eyes'

India issued stamp on Eye Donation in year 1987

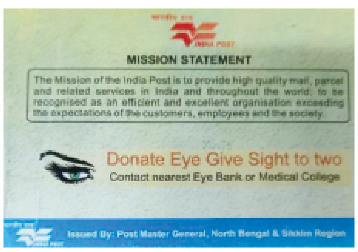

An Indian Stamp Booklet with printed message reading ' Donate Eye Give Sight to Two'

World.s Cheapest Postal services in India which has a wide reach in common man in form of Postcard has regularly carried message for Eye Donation.

नेत्र उपहार

सुन्दर प्रकृति चहुंओर,
ऊपर है गगन विशाल।
रंग बिरंगे फूल धरा पर,
पक्षियों का भी रूप अपार।

जो भी है इस सृष्टि में,
अलग-अलग कला से सजा।
पता नहीं सबमें ये रंग हैं
किस चित्रकार ने भरा।

निहार रहे इस छठा को,
नेत्रों में संजो रहे।
पाकर अपूर्व इस आनंद को,
धन्य ही सब जन हो रहे।

हैं कुछ ऐसे भी जन,
जो वंचित इस आनंद से।
नेत्र सुख से है वे दूर,
तम में जीने को मजबूर।

होता है अंत जीवन का,
शरीर अग्नि को समर्पित।
दहन हो जाते नयन भी,
जो सक्षम ज्योति देने में।

जाते समय कुछ तो सोचो,
तमस दूर करो उनका।
दो ज्योति उनको भी,
रंग प्रकृति के वे देख पाये।

ईश्वर ने काया दी जब,
तभी ये जीवन जी पाये।
भोग के बाद लौटाना अब,
फिर मोह कैसा और क्यों।

देते जाओ लोचन को,
दुनिया को भी जगाओ।
नेत्रदान के यज्ञ में,
आहुति अपनी देते जाओ।

– विनोद कुमार त्यागी
नेत्रदाता परिवार

आई सेल टिशू बैंक: नेत्र चिकित्सा में नई क्रांति की ओर भारत

गोविंद गुरबानी
सह-संपादक

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नेत्र विशेषज्ञ डॉ. जी. एन. राव का जयपुर आगमन हुआ। इस अवसर पर मुझे उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध एवं विकास कार्यों, विशेषकर हैदराबाद स्थित **एल. वी. प्रसाद आई इंस्टीट्यूट** में प्रस्तावित **आई सेल टिशू बैंक** के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की, साथ ही आंखों की देखभाल को लेकर उपयोगी मार्गदर्शन भी दिया।

नेत्र चिकित्सा में बढ़ता दायरा और चुनौतियां

भारत में हर साल लाखों लोग कॉर्निया से जुड़ी समस्याओं का सामना करते हैं। अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक कॉर्निया ट्रांसप्लांट की आवश्यकता होती है, लेकिन उपलब्धता और विशेषज्ञों की कमी के कारण यह मांग पूरी नहीं हो पाती।

डॉ. राव के अनुसार, वर्तमान आई बैंकिंग सिस्टम सीमित संसाधनों के साथ कार्य कर रहा है, जिसके चलते केवल कुछ प्रतिशत मरीजों को ही लाभ मिल पाता है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि देश में उन्नत तकनीक और मजबूत चिकित्सा संरचना की तत्काल आवश्यकता है।

आई सेल टिशू बैंक: क्या और क्यों?

आई सेल टिशू बैंक एक अत्याधुनिक सुविधा होगी, जहां कॉर्निया की कोशिकाओं (सेल्स) को वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित किया जाएगा। पारंपरिक कॉर्निया ट्रांसप्लांट के विपरीत, इस तकनीक में पूरे कॉर्निया को बदलने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि केवल प्रभावित कोशिकाओं को ही बदला जाएगा। इससे:

- अधिक मरीजों को लाभ मिलेगा
- सर्जरी अधिक सुरक्षित और प्रभावी होगी
- कॉर्निया की कमी की समस्या काफी हद तक कम हो सकेगी

डिजिटल युग और बच्चों की आंखें

आज के समय में बच्चों में मोबाइल और कंप्यूटर का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिसका सीधा असर उनकी आंखों पर पड़ रहा है। कम उम्र में ही दृष्टि दोष, आंखों में थकान और अन्य समस्याएं सामने आ रही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम सीमित करना और उन्हें बाहरी गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। प्राकृतिक रोशनी में समय बिताना आंखों के स्वस्थ विकास में सहायक होता है।

व्यावहारिक सुझाव: आंखों की देखभाल कैसे करें

डॉ. राव द्वारा दिए गए कुछ सरल लेकिन प्रभावी सुझाव:

- हर 20 मिनट में स्क्रीन से ब्रेक लें (20-20-20 नियम)
- आंखों को साफ रखें और बार-बार न छुएं
- पर्याप्त नींद लें
- संतुलित आहार में हरी सब्जियां और विटामिन आदि शामिल करें
- धूप में बाहर निकलते समय सनग्लास का उपयोग करें

भविष्य की दिशा

आई सेल टिशू बैंक की स्थापना भारत को नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जा सकती है। यह पहल केवल तकनीकी प्रगति का संकेत नहीं है, बल्कि लाखों लोगों के जीवन में रोशनी लाने का माध्यम भी बनेगी।

निष्कर्ष

आंखों की देखभाल अब केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सामाजिक और राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुकी है। नई तकनीकों, जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से हम एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं, जहां हर व्यक्ति स्पष्ट और स्वस्थ दृष्टि का आनंद ले सके।

"पूरा कॉर्निया बदलने की आवश्यकता नहीं नई तकनीक से केवल प्रभावित कोशिकाओं का उपचार संभव होगा।" – **डॉ. जी. एन. राव**

मानव जीवन में भरे रोशनी

पी.सी. जैन
टाईम बैंक
ऑफ इण्डिया

नेत्रदान, एक सुखद अहसास :

परिवार का कोई सदस्य जब अपनी अंतिम यात्रा पर जा रहा होता है, अपनी आखिरी सांस ले रहा होता है वह समय परिवार के लिए बहुत कष्टप्रद होता है। समस्त परिजन दुख के एक महासागर में डूबे होते हैं। कर्तव्य विमूढ़ से हो जाते हैं। समझ नहीं आता कि क्या करें, क्या ना करें। लेकिन हमारे देश की स्वस्थ परिवार प्रथा ही ऐसे समय में संबल का काम करती है। सब मिलजुल कर इस कठिन समय में एक दूसरे का सहारा बनते हैं। यही वो समय होता है जब समय रहते, परमार्थ के लिए, लिया गया निर्णय, किसी के जीवन में उजाला भर सकता है। वो भी बिना किसी खर्च के, बिना किसी को नुकसान पहुंचाए, बिना किसी की भावना को ठेस पहुंचाए। यह निर्णय होता है, नेत्रदान कर किसी नेत्रहीन के जीवन को रोशनी से भर देने का। यहाँ समय और निर्णय के बीच एक रेस लगी होती है। मृत्यु उपरांत नेत्रदान एक सीमित समय लगभग 8 घंटे में ही हो जाना चाहिए। और ये समय इस दुख की घड़ी में कब निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। समय निकल गया तो बस जीवन भर के पछतावे के सिवा कुछ नहीं रह जाता। कहते भी हैं कि अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत। बस उस समय साहसिक कदम उठाकर, किसी अपने को, शोक संतप्त परिवार को, इतना याद दिलाना है कि जाने वाला तो चला गया, नेत्रदान कर किसी की आँखों में तो इसे जीवित महसूस किया ही जा सकता है। जरा सी सकारात्मक सोच, पहल, साहस, परमार्थ के एक बेहतरीन कार्य को अंजाम तक पहुंचा सकती है। जो इस दुखी परिवार को एक असीम शांति और आजीवन गर्व का एहसास करा सकता है।

मैं टाईम बैंक से जुड़ा हुआ हूँ अतः टाईम बैंक के परिचय के साथ नेत्रदान में इसकी भूमिका के बारे में आपसे जानकारी साझा करना चाहूँगा।

टाईम बैंक कोई सामान्य बैंक नहीं है जहां पैसे जमा होते हैं। यह समय का बैंक है। यहां सदस्य एक–दूसरे को छोटी–छोटी यूनिट में बांटकर परिवार की तरह काम करते हैं। एक सदस्य दूसरे की मदद करते हैं। चाहे एकाकी बुजुर्गों की देखभाल हो, उनके अकेलेपन का साथी हो, बाहरी कामों में सहायता हो या फिर अस्पताल में भर्ती बीमार का सहायक बनना। बदले में वह समय क्रेडिट कमाता है, जो बाद में उसे किसी और की मदद के रूप में वापस मिलता है। छोटी–छोटी इकाइयों में बंटा यह नेटवर्क पूरे भारत में फैलता जा रहा है। हर सदस्य दूसरे को अपना सा लगता है। यही इसका सबसे बड़ा जादू है। यहां रिश्ते पैसे से नहीं, एक दूसरे को समय देकर बनते हैं।

नेत्रदान के रास्ते में बाधायें : नेत्रदान के रास्ते में तीन सबसे बड़ी बाधायें हैं।

1. नेत्रदान के प्रति तरह तरह की भ्रांतियाँ– आंखें निकाल ली जाएंगी तो चेहरा बिगड़ जाएगा, अगला जन्म नेत्रहीन का मिलेगा, धर्म आड़े आता है, अंतिम क्रियाओं में देर हो जाएगी–ऐसी सैकड़ों गलतफहमियां आज भी लोगों के मन में बैठी हैं।

2. दूसरी बाधा है समय, अर्थात मृत्यु उपरांत 8 घंटे में नेत्रदान का निर्णय लेकर नेत्रदान सम्पन्न कराना। जब पूरा परिवार सदमे में होता है, आंसू आंखों में घुट जाते हैं और फैसले लेना असंभव लगता है, तब जरूरत होती है किसी अपने की। किसी ऐसे व्यक्ति की जो परिवार का हिस्सा हो, जो समझता हो कि नेत्रदान कोई दान नहीं, बल्कि एक जीवित आत्मा को नई जिंदगी देने का संकल्प है। और

3. तीसरा आधारभूत व्यवस्थाएं। जिसमें समर्पित तकनीशियन, कॉर्निया ट्रांसप्लांट सर्जन, सुचारु कार्यरत आई बैंक, इत्यादि।

पहली और दूसरी बाधा में टाईम बैंक ऑफ इंडिया के सदस्य एक प्रभावी भूमिका का निर्वहन सकते हैं। वे छोटी–छोटी यूनिट में परिवार की तरह जुड़े हैं। वे पहले से ही एक–दूसरे के दुख–दर्द में साथ खड़े रहते हैं। जब कोई सदस्य का परिवार किसी की मृत्यु शोक से गुजरता है, तो उसी परिवार का कोई और सदस्य शांति से, प्यार से, सम्मान के साथ नेत्रदान की बात रख सकता है। वह याद दिला सकता है ˝ दादी जी की आंखें अब भी किसी बच्चे की दुनिया रोशन कर सकती हैं। यह बात किसी अजनबी की नहीं, बल्कि अपने भाई–बहन की होती है। इसलिए यह स्वीकार करने में आसानी होती है। समय बैंक के सदस्य इस पवित्र काम को बिना किसी दबाव के, सिर्फ प्यार और विश्वास के साथ कर सकते हैं। चूंकि टाईम बैंक की यह छोटी छोटी यूनिट प्रतिमाह मीटिंग्स का आयोजन करती हैं, अतः समय समय पर आई बैंक के विशषज्ञों की नेत्रदान जागरूकता वार्ताएं आयोजित कर नेत्रदान की भ्रांतिया दूर कर जन जन में नेत्रदान को चर्चा का विषय बना सकती हैं।

टाईम बैंक ऑफ इंडिया ट्रस्ट और आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान दोनों ही पंजीकृत स्वतंत्र संस्थाएं हैं जो अपने अपने उद्देश्यों की पूर्ति की लिए कार्यरत हैं। अतः दोनों संस्थाएं मिलकर एक दूसरे के लक्ष्यों को साधने में सहायक हो सकती हैं। इससे दोनों संस्थाओं की कार्यों को गति मिल सकती है। संस्थाओं के मिलन के लिए सर्वोत्तम उपाय है, उनके बीच एक समझौता ज्ञापन अर्थात एमओयू निष्पादित किया जाना। यह समझौता बिना आर्थिक लेनदेन के केवल प्रचार प्रसार के उद्देश्य से किया जा सकता है। समझौते के तहत टाईम बैंक के सदस्यों को नेत्रदान की पूरी जानकारी, प्रशिक्षण और सहायता उपलब्ध कराई जा सके, ताकि वे नेत्रदान का व्यापक प्रचार कर सकें। मृत्यु उपरांत, शोक परामर्शदाता (ग्रीफ काउन्सलर) की भूमिका अदा कर, आई बैंक टीम से संपर्क कर, नेत्रदान कराने में सहायक हो सकते हैं। आई बैंक सोसाइटी ऑफ

राजस्थान भी अपने कार्यक्रमों में टाईम बैंक का प्रचार प्रसार कर एकाकी बुजुर्गों को, उनकी देखभाल के लिए टाईम बैंक से जोड़ने में मददगार हो सकती है।

कल्पना कीजिए – एक छोटा सा टाईम बैंक का सदस्य, जब किसी परिवार के सदस्य की अंतिम यात्रा में खड़ा होकर कहता है, चलिए, उनकी आंखें किसी और को जिंदगी दें, तो उस पल कितनी बड़ी रोशनी फैलती है! एक परिवार का दर्द दूसरे परिवार की खुशी बन जाता है।

टाईम बैंक ऑफ इंडिया के हर सदस्य से हम अपील करते हैं, आप पहले से ही सेवा में समय दे रहे हैं, थोड़ा समय नेत्रदान की जिम्मेदारी में भी लगाएं। आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के हर स्वयंसेवक से अपील है कि टाईम बैंक के इस विशाल परिवार को अपने अभियान का हिस्सा बनाएं ताकि किसी भी बुजुर्ग को अकेलेपन की त्रासदी नहीं झेलनी पड़े।

जब हम सब मिलकर एक परिवार बन जाएंगे, तो जीवित रहते भी सहायक होंगे और हर मृत्यु के बाद भी एक नई जिंदगी को उजाला दे सकेंगें। आंखें बंद होंगी, लेकिन रोशनी कभी नहीं बुझेगी।

वित्तीय दान दाताओं की सूची (जनवरी से मार्च, 2026)

1. सुखराज ज्वेल्स प्रा. लि.	300000
2. राजस्थान पुलिस हाऊसिंग एवं कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड, जयपुर	250000
3. रमेश एग्रो सर्विस सेन्टर, ब्यावर	21000
4. पं. बद्री प्रसाद महिर्षि चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर	21000
5. कमल डवलपर्स प्रा. लि., नई दिल्ली	7000
6. श्री बी. एल. शर्मा	55000
7. डॉ. माया टंडन	20000
8. श्री सुरेशचन्द मेहता	11000
9. सुश्री कमल पनगड़िया	10000
10. श्री श्याम सुन्दर बिस्सा	5000
11. छविंद्रा एम वर्मा	5000
12. पेटीएम डोनेशन	12291.69
कुल	717291.69

दान में प्राप्त कॉर्निया माह जनवरी से मार्च 2026

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
जनवरी 2026	198	156	79 प्रतिशत
फरवरी 2026	195	137	70 प्रतिशत
मार्च 2026	163	128	78 प्रतिशत
कुल सख्या	556	421	76 प्रतिशत

अंधता निवारण की दिशा में एक नायाब पहल

श्री राजकुमार शर्मा
सदस्य,
ईबीसीएसआर

अंधता केवल दृष्टि का अभाव नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के जीवन की अनेक संभावनाओं पर गहरा प्रभाव डालती है। आँखों की रोशनी खो देने के बाद व्यक्ति के लिए सामान्य जीवन जीना, शिक्षा प्राप्त करना और रोजगार के अवसरों तक पहुँचना कठिन हो जाता है। ऐसे संवेदनशील विषय पर आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान द्वारा किया जा रहा कार्य वास्तव में मानवीय सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायक उदाहरण है। संस्था के सतत और संगठित प्रयासों ने नेत्रहीन व्यक्तियों के जीवन में आशा की नई किरण जगाई है।

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान लंबे समय से नेत्रदान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सोसाइटी प्रतिवर्ष नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा का आयोजन व्यापक स्तर पर करती है। यह पखवाड़ा समाज में जागरूकता फैलाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। इस दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों तथा आमजन के बीच संवाद स्थापित किया जाता है और उन्हें नेत्रदान के महत्व, प्रक्रिया तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जानकारी दी जाती है।

जागरूकता पखवाड़े के अलावा वर्ष भर जिला एवं राज्य स्तर पर भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें जागरूकता सत्र, संगोष्ठियाँ, जनजागरण रैलियाँ, आई चेकअप कैम्प्स, परामर्श कार्यक्रम तथा सामाजिक संवाद शामिल होते हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यह बताया जाता है कि मृत्यु के पश्चात नेत्रदान करके कोई भी व्यक्ति दो नेत्रहीन व्यक्तियों को नई दृष्टि प्रदान कर सकता है। यह ऐसा दान है, जो किसी के जीवन में स्थायी उजाला और नई उम्मीद लेकर आता है।

इन सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। पहले जहाँ नेत्रदान के प्रति लोगों में संकोच और भ्रांतियाँ थीं, वहीं अब अधिक लोग स्वेच्छा से आगे आकर नेत्रदान का संकल्प ले रहे हैं। समाज में इस विषय के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो रही है और लोग इसे मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम मानने लगे हैं।

इस अभियान की एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि जागरूकता का यह संदेश अब केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि गाँव-देहात तक भी पहुँचने लगा है। ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित शिविरों, जनसंवाद कार्यक्रमों और जागरूकता रैलियों के माध्यम से वहाँ के लोगों को भी नेत्रदान के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। इससे ग्रामीण समाज में भी इस विषय के प्रति समझ और विश्वास बढ़ा है तथा अधिक लोग इस पुनीत कार्य से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

सोसाइटी की कार्यकारिणी, चिकित्सकों और समर्पित स्वयंसेवकों की निस्वार्थ सेवा, समन्वय और प्रतिबद्धता इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है। उनके अथक प्रयासों के कारण ही यह जनजागरण अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक सफल नेत्र प्रत्यारोपण केवल एक चिकित्सकीय उपलब्धि नहीं होता, बल्कि यह मानवता की सच्ची विजय का प्रतीक होता है। जब एक व्यक्ति के नेत्रदान से किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन भर के लिए रोशनी मिलती है, तो यह सेवा का सर्वोच्च उदाहरण बन जाता है।

निस्संदेह, अंधता निवारण की दिशा में यह पहल अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता हुआ एक प्रेरणादायक कदम है। यह समाज को यह संदेश देती है कि यदि हम सब मिलकर संकल्प लें और सेवा भावना के साथ आगे आएँ, तो अनगिनत व्यक्तियों के जीवन में उजाला फैलाया जा सकता है। नेत्रदान केवल एक दान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

आइए, हम सब मिलकर इस महान कार्य से जुड़ें और समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास करें, ताकि अधिक से अधिक लोग नेत्रदान के लिए प्रेरित हों और किसी की अंधेरी दुनिया में उजाला ला सकें।

आओ हम नए सपने सजाएँ,

सपनों का सुंदर संसार बसाएँ।

अंधेरों का जिसमें नाम न होगा,

हर तरफ होंगे उजालों के साये।

ऐसे सुंदर सपने को हम सब मिलकर साकार करें।

नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह

अंजू जैन
एग्जीक्यूटिव मेम्बर
ईबीएसआर

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा नारायण सिंह सर्किल स्थित तोतुका भवन भट्टारक जी नस्सियां में रविवार 1 मार्च, 2026 को नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अपने प्रियजन के नेत्रदान के निःस्वार्थ एवं अमूल्य योगदान के लिए 70 नेत्रदानी परिवारों को सम्मानित किया गया। इस समारोह के माध्यम से ईबीएसआर द्वारा नेत्रदानी परिवारों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने अपने प्रियजन का नेत्रदान कर अपना सामाजिक सरोकार निर्वहन किया और उनकी आंखों को अमर कर साहस एवं धैर्य का परिचय दिया।

समारोह हेतु तोतुका भवन को आकर्षक ढंग से फूलों से सुसज्जित किया गया, प्रवेश द्वार पर स्वयं सेवक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक

फूलों की रंगोली बनाई गई। दीप प्रज्ज्वलन के बाद मुख्य अतिथि भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया तथा विशिष्ट अतिथि पद्म भूषण श्री डी आर मेहता साहब का औपचारिक स्वागत किया गया।

आई बैंक सोसायटी ऑफ़ राजस्थान के अध्यक्ष श्री बी एल शर्मा जी ने अपने संबोधन में बताया कि वर्ष 2002 में स्थापित आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के अनुरूप कार्यरत है। 24 साल में करीब 27500 कॉर्निया एकत्रित किए गए, जिससे 17500 दृष्टि बाधित व्यक्तियों को रोशनी मिली। संस्था के चैप्टर एवं कलेक्शन सेंटर राज्य के 14 जिलों में कार्यरत हैं। देश के 10 राज्यों के 35 शहरों में भी संस्था द्वारा कॉर्निया भेजा जाता है। संस्था की कॉर्निया उपयोगिता दर 65% है जो कि अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप है।

समारोह में संस्था के सदस्य, पदाधिकारी, स्टाफ, स्वयं सेवक, एनसीसी कैडेट, समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति, नेत्रदानी परिवार सदस्य, कॉर्निया लाभार्थी आदि लगभग 400 व्यक्ति उपस्थित रहे।

कॉर्निया लाभार्थी तथा कुछ नेत्र दानी परिवार के सदस्यों के अनुभव सुनकर उपस्थित लोग द्रवित हो गए। जब कार्निया लाभार्थियों ने अपना अनुभव व्यक्त करते हुए बताया, किस प्रकार कार्निया प्रत्यारोपण के ऊपरान्त उनके जीवन में आश्चर्यजनक परिवर्तन आया, तो सभी रोमांचित हो उठे।

मुख्य अतिथि श्रीमती वसुंधरा राजे ने अपने उत्साहवर्धक संबोधन में कहा कि नेत्रदान सबसे महान दान है तथा नेत्रदान करके हम दृष्टिबाधित लोगों के जीवन को प्रकाशमय बना सकते हैं। इस कार्य को करने हेतु समाज के प्रत्येक वर्ग की अहम भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि, नेत्रदान के प्रति जागरूकता व्यापक रूप से फैलाई जानी चाहिए, विशेष तौर पर महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं को इस कार्य में संलग्न करना चाहिए, जिससे कि वे अग्रणी होकर नेत्रदान के बारे में लोगों को जागरूक कर सकें। वसुंधरा जी ने अपने फेसबुक पेज पर इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी भी दी, उनके फेसबुक पेज पर 90 लाख अनुयायी है।

पद्म भूषण विश्व विख्यात जयपुर फुट प्रणेता, श्री डी आर मेहता साहब ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि, आई बैंक सोसायटी एक अभूतपूर्व एवं अनोखा कार्य कर रही है, उन्होंने सलाह दी कि संस्था के अपने किरेटोप्लासटी सेंटर होने चाहिए, जिससे कि अधिक से अधिक कॉर्निया प्रदेश में ही उपयोग में ला सके।

नेत्रदानी परिवार सदस्यों एवं कार्निया लाभार्थियों के संवाद सुनकर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने भी उत्साह का परिचय दिया एवं प्रेरित होकर नेत्रदान संकल्प पत्र भर कर समाज को एक अनूठा संदेश दिया।

नेत्रदान करने वाले 70 परिवारों को प्रशस्ति पत्र तथा हमें नेत्र दानी परिवार होने पर गर्व है वाली घर के बाहर लगाने वाली पट्टिका देकर सम्मानित किया गया । मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि सभी नेत्रदानी सदस्यों से बड़ी आत्मीयता से मिले, एवं उन्होंने प्रत्येक का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि द्वारा नेत्रदान संबंधित एक आकर्षक पोस्टर का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि को संस्था द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर श्री कमल संचेती, संस्थापक जैन सोशल ग्रुप तथा श्री सुरेन्द्र बजाज, संयोजक नेत्रदान–देहदान प्रेरणा प्रकल्प, माहेश्वरी समाज, जयपुर का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने नेत्रदान के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया एवं हमारी सोसायटी का निरंतर सहयोग किया। स्वयं सेवक तथा एन सी सी कैडेट्स, जो कार्यक्रम में सम्मिलित हुए एवं जिन्होंने कार्यक्रम के कुशल संचालन में सहयोग दिया, उन्हें संस्था द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान अनेक संस्थाओं एवं महानुभावों ने ईबीएसआर की मदद हेतु आर्थिक सहयोग की घोषणा भी की।

कार्यक्रम का संचालन आकर्षक ढंग से श्रीमती आभा चतुर्वेदी द्वारा किया गया। सभी आगंतुकों को कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती अंजु जैन द्वारा धन्यवाद दिया गया एवं सभी को लंच पर आमंत्रित किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे द्वारा फेसबुक पर दिया गया संदेश :

आज जयपुर स्थित भट्टारक जी की नसियाँ में आई बैंक सोसाइटी ऑफ़ राजस्थान द्वारा आयोजित नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह में शामिल हुई। गर्व की बात है कि राजस्थान ऑनलाइन नेत्रदान के संकल्प में पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। अब राजस्थान में मृत्यु के बाद नेत्रदान करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले 2 सालो में 5 हजार से ज्यादा नेत्रदान हुए हैं। विभिन्न जिलों से जयपुर बैंक के पास प्रतिवर्ष करीब 1500 कॉर्निया पहुंच रहे हैं। अब तो राजस्थान पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, गुजरात, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के लोगों को नई रोशनी दे रहा है।

यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है कि आई बैंक सोसाइटी ऑफ़ राजस्थान ने दिसम्बर 2025 तक करीब 27 हज़ार कॉर्निया इकट्ठे किए हैं, जिनमें से लगभग 18 हज़ार कॉर्निया ट्रांसपालंट हो गए। देश के 10 राज्यों के 35 शहरों में कार्य कर रही आई बैंक सोसाइटी ऑफ़ राजस्थान अमृतसर, अहमदाबाद, भोपाल, चंडीगढ़, देहरादून, इंदौर, लखनऊ, मुंबई और नई दिल्ली जैसे महानगरों को भी कॉर्निया भेजती है।

राजस्थान में नेत्रहीन व्यक्तियों को संख्या 3 लाख से अधिक हैं। यदि राजस्थान में जिनका भी निधन होता है, उन सभी व्यक्तियों का नेत्रदान हो जाये, तो एक वर्ष में यहाँ एक भी व्यक्ति दृष्टिहीन नहीं रहे।

मेरा आप सभी से विनम्र आग्रह है कि नेत्रदान के इस पुण्य कार्य में आगे आएँ और किसी के जीवन में उजाला बनने का संकल्प लें।

Emerging Stars: Rising Beyond Limits in Eye Donation Services

Priyanka Swami
Manager - EBSR

It is never easy to counsel a family for eye donation at the very moment they are coping with the loss of a loved one. The situation becomes even more sensitive when the loss is sudden or involves a young life. In such emotionally charged moments, Eye Donation Counsellors and Technicians (EDCTs) are expected to step forward with compassion, patience, and strength.

Adding to this challenge is the process of cornea retrieval—often carried out in mortuaries, where the environment itself can be overwhelming and unsettling. It demands not only technical expertise but also immense mental resilience.

Yet, despite these realities, a remarkable and inspiring transformation has emerged from three EBSR chapters—**Bikaner, Bhilwara, and Shriganganagar.**

A Turn Around That Commands Attention

The performance data from Q1 2025 to Q1 2026 reveals a shift that is nothing short of extraordinary. What was once underperformance has now evolved into excellence—driven by determination, structured intervention, and an unyielding will to improve.

- **Sh. Nilendra Singh (EDCT, Bikaner | Age : 21 years)** Utilization Rate soars from **25% in Q1 2025** to a remarkable **88% in Q4 2025 (30 out of 34 collected tissues transplanted).** Nilendra's journey is a powerful example of growth and dedication. Once struggling to meet targets, he has now emerged as a **Star Performer Runner-Up of Q4 2025,** surpassing many experienced professionals. His sincerity, discipline, and eagerness to learn make him a true inspiration and a rising star within EBSR.

- **Sh. Anurag Saraswat (EDCT, Sriganganagar | Age : 23 years)** Anurag's transformation is one of the most striking – **from 0% in Q1 2025** to a strong **85% Utilization rate** with **155% achievement of target (17 out of 20 collected tissues transplanted)** in February 2026. His journey reflects resilience at its fines. Recognized as **Excellent Technician of February 2026.** Anurag has proven that setbacks can be turned into stepping stones with the right mind set and effort.

- **Sh. Chetan Prakash (EDCT, Bhilwara | Age : 33 years)** Demonstrating consistency and technical excellence, Chetan has **achieved 90% Utilization Rate with 173% achievement of target (19 out of 21 collected tissues transplanted) in January 2026.** His composed approach, adaptability, and commitment have earned him the title of **Excellent Technician of January 2026.** He has become a pillar of strength for the Bhilwara chapter.

The newly established chapters, Bikaner and Sriganganagar have demonstrated promising performace that will lay a strong foundation for their sustained growth and credibility.

What makes this achievement even more

commendable is that these individuals were once unable to meet even their basic targets. Today, they are not only achieving but **outperforming many senior and experienced staff members**—a testament to their hard work and transformation.

The Strategy Behind the Success

This remarkable turnaround was not incidental—it was the result of carefully planned and effectively executed strategies:

✤ **Deployment of Experienced EDCTs from Jaipur**

Skilled and experienced EDCTs were deputed to these underperforming chapters to conduct gap analysis and root cause analysis, identifying critical performance gaps.

✤ **Focused Refresher Training**

Hands-on, field-based training sessions were conducted to strengthen both counselling techniques and cornea retrieval practices.

✤ **Regular Monitoring and Follow-Up**

Continuous support and follow-up by managers and lab technicians ensured accountability, motivation, and timely guidance.

✤ **Improved Screening Through Technology**

To enhance utilization rates, EDCTs were encouraged to:

- ✓ Conduct video calls with lab technicians
- ✓ Share eye photographs for double screening This significantly improved decision-making and reduced rejection rates.

The EDCTs embraced these practices wholeheartedly — and the results soon followed.

Young Blood, Bright Future

At just **21, 23, and 33 years of age,** Nilendra, Anurag, and Chetan represent the **young, dynamic force driving the future of eye banking.** Their journey is not merely about improved statistics—it is about courage, adaptability, and commitment to a noble cause.

They have demonstrated that performance is not limited by past results. With the right guidance and determination, even the most challenging situations can be transformed into success stories.

Conclusion: A Story of Pride and Inspiration

The transformation of Bikaner, Bhilwara, and Shriganganagar chapters stands as a powerful example within EBSR—showing what can be achieved through **strategic intervention, continuous mentorship, and individual dedication.**

Nilendra, Anurag, and Chetan are not just high performers today—they are **Emerging Stars,** setting new benchmarks and inspiring others to rise above limitations.

Their journey reminds us all:

Excellence is not a starting point—it is a result of perseverance, learning, and the courage to improve.

These young professionals are not only improving performance—they are **restoring sight, spreading hope, and shaping the future of eye banking in India.**

AND THIS IS JUST A BEGNINING !!

सरदारशहर चेप्टर

नेत्रदान पोस्टर विमोचन

28 जनवरी 2026 को रतनगढ़ में नेत्र जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर में नेत्रदान पोस्टर का विमोचन पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा ने किया। इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सन्तोष कुमार इन्दौरिया, देवकिशन स्मृति सेवा समिति के विश्वनाथ सोनी, सीताराम जांगिड़, देवेन्द्र यादव, सीताराम दाधीच,खींवाराम खीचड़,अनूप जोशी,रामरतन प्रजापत सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दिनांक 25 **मार्च** 2026 को ग्रामपंचायत मोमासर(बीकानेर) में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम तेरापंथ युवक परिषद एवं प्राणनाथ होस्पीटल सरदारशहर तथा आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान चूरू चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया तथा नेत्रदान सम्बन्धी जानकारियां दी गई। राजस्थान राज्य थली प्रभारी लोकेश सेठिया, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष मोहित आंचलिया, मंत्री विशाल बोरड़, तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत तथा ग्रामपंचायत मोमासर के उपसरपंच जुगराज संचेती सहित गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर नेत्रदान जागरूकता प्रचार सामग्री वितरित की गई।

दिनांक 20 **मार्च** 2026 को सरदारशहर में स्व. गिरधारी फूलफकर की द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर के अवसर पर नेत्रदान जागरूकता हैल्पडेस्क लगाई गई तथा नेत्रदान संकल्प पत्र भराये गये व नेत्रदान जागरूकता प्रचार सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर रामगढ़ शेखावाटी (सीकर) की उपखण्ड अधिकारी भारती फूलफकर ने नेत्रदान को पुण्य का कार्य बताते हुए इसे परिवार की परम्परा बनाने का आव्हान किया। इस अवसर पर रतनगढ़ पंचायत समिति के प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज खीचड़, जेठाराम भाकर, सहीराम फूलफकर, सावित्री मोठसरा, गिरधारी शर्मा, नन्दलाल सारण,फुसाराम स्वामी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। नेत्र संग्रह केन्द्र के समन्वयक गणेशदास स्वामी, तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत ने नेत्रदान महादान पर विचार व्यक्त किया तथा नेत्रदान जागरूकता प्रचार सामग्री वितरित की।

अजमेर चेप्टर

नेत्रदान जागरूकता शिविर

8.3.2026 – इनरव्हील क्लब द्वारा गांव कानपुरा जिला अजमेर में नेत्र जांच शिविर में जाकर आई बैंक की हैल्प डेस्क लगाकर लोगों को नेत्रदान के लिए प्रचार प्रसार किया जिसमें 700 लोग आई चैकअप के लिये आये थे और 20 लोगों ने नेत्रदान का घोषणा पत्र भरा।

14.3.2026 – गांव भूडोल में रावत समाज में जाकर नेत्रदान दाता परिवार को प्रशस्ति पत्र देकर वहां पर आये हुए लोगों को नेत्रदान के लिये प्रेरित किया जिसमें मंत्री श्री सुरेश रावत द्वारा परिवार वालों को प्रशस्ति पत्र दिलवाया। श्री सुरेश जी रावत द्वारा समाज वालों को नेत्रदान के लिये प्रेरित किया।

15.3.2026 – आजाद पार्क अजमेर में सिंधीयत मेले में आई बैंक का बैनर लगाकर लोगों को नेत्रदान के लिये प्रेरित किया जिसमें 2000 लोग मेले में आये और 20 लोगों ने नेत्रदान के लिये घोषणा पत्र भरा।

16.3.2026 – सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज बडल्या नेत्रदाना शिविर में जाकर कॉलेज विद्यार्थियों को नेत्रदान के लिये प्रेरित किया जिसमें 500 विद्यार्थी थे एवं 10 विद्यार्थियों ने घोषणा पत्र भरे।

ब्यावर

17.3.2026 – खाद्य सुरक्षा ट्रेनिंग कार्यक्रम, गीता रिसोर्ट ब्यावर में, ब्यावर सीएमएचओ द्वारा आयोजित किया गया जिसमें नेत्रदान के लिये सीएमएचओ ने आये हुए सभी लोगों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में 2000 लोगों ने भाग लिया।

22.3.2026 – जैतारण में आतुल्य हॉस्पिटल जोधपुर द्वारा जनरल हेल्थ चैकअप कैम्प लगाया गया जिसमें 1000 लोगों द्वारा जांच करवाई गई। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्री अविनाश गहलोत एवं ब्यावर सीएमएचओ द्वारा नेत्रदान के लिये उद्बोधन दिया और लोगों को नेत्रदान के लिये प्रेरित किया।

28.3.2026 – अश्विनी हॉस्पिटल ब्यावर नेत्र ऑपरेशन शिविर में जाकर लोगों को नेत्रदान के लिये प्रेरित किया जिसमें 200 लोग शामिल थे।

29.3.2026 – महावीर इन्टरनेशनल डायमण्ड द्वारा ब्यावर में महावीर भवन में जनरल हेल्प चैकअप का कैम्प लगाया जिसमें 500 लोगों को नेत्रदान के लिये प्रेरित किया जिसमें ब्यावर के सीएमएचओ द्वारा उद्बोधन दिया।

भीलवाड़ा चेप्टर

लायंस कान्फ्रेंस मे नेत्रदान महादान पर सभी सदस्यो को नेत्रदान हेतु संदेश एवं प्रेरणा देने का प्रयास

बीबीजे चेप्टर

जागरूकता कार्यक्रम

गत तिमाही जनवरी से मार्च, 2026 में ईबीएसआर बीबीजे चेप्टर व संस्थान साइन इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से कई जागरूक गतिविधियां की गई। साथ ही बूंदी, बारां और झालावाड़ से 32 जोड़ी कॉर्निया का संकलन कर आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान जयपुर भिजवाए गए।

इसी क्रम बीते 7 फरवरी, 2026 को झालावाड़ जिले में आयोजित कार्यशाला

भावी पीढ़ी से नेत्रदान के विषय पर प्रेरणादायक सेमिनार ईबीएसआर बीबीजे चेप्टर और साइन इंडिया। फाउंडेशन पिछले 14 वर्षों से हाड़ौती संभाग में नेत्रदान, अंगदान व देहदान के लिए कार्य कर रही साथ ही राजकीय व निजी क्षेत्र के कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों में नेत्रदान के विषय पर जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन करती आ रही है।

इसी क्रम में आज झालरापाटन में साइन इंडिया फाउंडेशन व मंजुश्री संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय व महात्मा गाँधी गवर्नमेंट सीनियर सैकण्डरी स्कूल में नेत्रदान जागरूकता, कॉर्निया की अंधता और उसके निवारण के बारे में फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. कुलवंत गौड़ ने बच्चों, शिक्षकों को विस्तृत जानकारी दी व बच्चों के प्रश्नों का जवाब दिया।

डॉ. गौड़ ने कक्षा 6 से 12वीं तक के बच्चों को बहुत ही सहज सरल और कहानियों के माध्यम से नेत्रदान की महिमा के बारे में बताया, अन्य जानकारी देते हुये यह बताया कि नेत्रदान 10 मिनट में पूरी होने वाली एक रक्त विहिन प्रक्रिया है, जिसमें प्रक्रिया के बाद किसी भी तरह की विकृति चेहरे पर नहीं आती है। कार्यशाला से प्रेरित होकर विद्यालय के कम्प्यूटर टीचर आनंद सिंह पंवार ने नेत्रदान संकल्प लिया।

अजय मोमिया ने बताया कि संस्थाओं के माध्यम से पूर्व में भी झालावाड़ के रूप नगर स्कूल, पुलिस ट्रेनिंग सेंटर, वसुधा विद्या मंदिर में भी कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है।

अंत में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या सुनीता पारेता, सह प्रधानाचार्या ज्योति राठौड़ तथा महात्मा गाँधी गवर्नमेंट सीनियर सैकण्डरी स्कूल नंदिनी सोनी द्वारा साइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ और मंजुश्री संस्थान के अजय गोयल मोमिया का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पवन शर्मा, आनंद सिंह पंवार ने किया।

ईबीएसआर बीबीजे चेप्टर के तकनीशियन डॉ. कुलवंत गौड़ के द्वारा तीये की बैठक में पहुँच शोकाकुल परिजनों और उपस्थित लोगों को महज 10 मिनिट में नेत्रदान की महत्त्वता और नेत्रदान के दौरान रखने वाली मुख्य बातों को आमजन तक पहुंचाया जिससे मृत्यु के समय परिजन नेत्रदान का महत्त्व समझें और बिना किसी देरी के नेत्रदान का कार्य सम्पन्न करवाए जिससे एक उचित गुणवत्ता वाला कॉर्निया हमें प्राप्त हो, जिससे किसी दृष्टिहीन की रोशनी पुन: लौट सके।

श्रीगंगानगर चेप्टर

नेत्रदान जागरूकता

नेत्रदान जागरुकता के उद्देश्य से श्रीकरणपुर विधायक रुपिंद्र सिंह कुन्नर ने पोस्टर का विमोचन किया। विधायक ने नेत्रदान जागरुकता के लिए सोसायटी के प्रयासों को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे आमजन का हित हो रहा है। इस मौके पर सोसायटी के संरक्षक डॉ.मोहित टांटिया सहित कई लोग मौजूद रहे।

नेत्रदान के लिए किया जागरुक :

तपोवन ट्रस्ट के महाराणा प्रताप तपोवन हथाई केंद्र पर हुए नेत्रदान जागरुकता शिविर के दौरान वृद्धजनों को नेत्रदान का महत्व बताया। उन्हें बताया गया कि नेत्रदान करके दो व्यक्तियों की जिंदगी रोशन की जा सकती है। इस मौके पर नेत्रदान संकल्पपत्र भी भरवाए गए।

हेल्प डेस्क लगाकर दी नेत्रदान की जानकारी :

- डॉ.एसएस टांटिया मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में हेल्प डेस्क लगाकर आमजन को नेत्रदान के प्रति जागरुक किया गया। पेम्पफ्लेट वितरित कर उन्हें नेत्रदान का महत्व बताया गया।
- धूम स्केटिंग क्लब की ओर से हए इंटरनेशनल स्केटिंग प्रतियोगिता के ट्रायल में हेल्प डेस्क लगाकर आमजन को नेत्रदान के प्रति जागरुक किया गया । उन्हें बताया गया कि नेत्रदान करके व्यक्ति अपने जीवन के बाद भी आंखों के जरिए दुनिया देख सकता है और किसी अन्य को दुनिया देखने में मदद कर सकता है।

- विश्व दृष्टि दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर नेत्रदान जागरुकता का संदेश दिया। उन्होंने नेत्रहीनों की समस्या को समझा और आमजन से आग्रह किया कि वे नेत्रदान का संकल्प आवश्यक रूप से लें ताकि दुनिया से जाने के बाद नेत्रदान करने वाले की आंखें दुनिया देखती रहे।

- श्रीगंगानगर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शहर के महाराजा गंगासिंह चौक पर हुए 'जोत से जोत जगाओ' कार्यक्रम में नेत्रदान जागरुकता का संदेश दिया गया। इस मौके पर नेत्रदान जागरुकता संबंधी पर्चों का वितरण भी किया गया।

- टांटिया यूनिवर्सिटी के कर्मद्वार पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य उज्वल अरोड़ा और युवाओं ने नेत्रदान जागरुकता पोस्टर का विमोचन किया।

शिविर लगाकर संकल्प पत्र भरवाए :

नेत्रदान जागरुकता के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पंजाब के गांव कल्लरखेड़ा में शिविर लगाकर नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए। सरपंच पूनम रानी की देखरेख में हुए आयोजन में आमजन को नेत्रदान से लाभ की जानकारी दी गई। नेत्रदान जागरुकता संबंधी पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

कोटा चेप्टर

नेत्रदाता परिवार सम्मान समारोह

EBSR कोटा चैप्टर द्वारा छवां नेत्रदाता परिवार सम्मान समारोह रविवार, 8 फरवरी 2026 को एथोस हॉस्पिटल, स्वामी विवेकानंद नगर, कोटा में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर माननीय ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल जी नागर, कोटा दक्षिण विधायक श्री संदीप शर्मा, लेफ्टिनेंट कमांडर सौरभघोष, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक हरिमोहन शर्मा, EBSR जयपुर के अध्यक्ष श्री बी.एल. शर्मा, उपाध्यक्ष श्री एल.पी. कोठारी, रेडक्रॉस सोसाइटी राजस्थान के चेयरमैन श्री राजेश बिड़ला एवं कोटा के अन्य गणमान्य अतिथियों ने 78 नेत्रदाता परिवारों का माला, शॉल, उपरना एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया।

EBSR कोटा चैप्टर, EBSR जयपुर के अध्यक्ष श्री बी.एल. शर्मा एवं उपाध्यक्ष श्री एल.पी. कोठारी का कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे गरिमामय बनाने एवं मार्गदर्शन देने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। EBSR कोटा चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. के.के. कंजोलिया ने स्वागत भाषण देते हुए शहर में विभिन्न कार्यक्रमों एवं तकनीकों के माध्यम से किए गए जागरूकता कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि माननीय ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर ने EBSR कोटा चैप्टर द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उपस्थित जनसमूह को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम संचालन में सहयोग:

कार्यक्रम के सफल आयोजन, योजना एवं संचालन में कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सुरेश पांडे, डॉ. अमित सिंह, डॉ. नीरजा श्रीवास्तव, श्री गितेश कंजोलिया, श्री राजेंद्र अग्रवाल, Technician श्री टिंकू ओझा, श्री के.एल. गुप्ता, श्री सुनील जैन एवं डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आभार एवं समापन:

EBSR कोटा चैप्टर के सचिव श्री सुरेश सेडवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसके पश्चात सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

भोजन के उपरांत प्रत्येक नेत्रदाता परिवार को उनके सम्मान समारोह का फ्रेम किया हुआ फोटो भेंट किया गया।

कोटा चैप्टर के तकनीशियन श्री टिंकू ओझा को भी नेत्रदान के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यों हेतु, वर्तमान राजस्थान के ऊर्जा मंत्री श्रीमान् हीरालाल नागर द्वारा समारोह में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम पूर्व बैठक:

7 फरवरी 2026 की सायंकाल कोटा स्थित पाठक रेस्टोरेंट में EBSR जयपुर के अध्यक्ष श्री बी.एल. शर्मा की उपस्थिति में एक कार्यकारी बैठक आयोजित की गई, जिसमें नेत्रदान को बढ़ावा देने हेतु नए विचारों पर चर्चा की गई तथा कोटा चैप्टर द्वारा किए जा रहे नियमित कार्यों की समीक्षा की गई। सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने इस पुनीत कार्य को और बेहतर बनाने के लिए अपने विचार साझा किए।

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता
	जनवरी, 2026	
1.	नितिन मोरदानी	जोधपुर
2.	महावीर प्रसाद वियाश	सागनेरी गेट
3.	राहुल ताथेड	भीलवाड़ा
4.	अशोक भारती	जोधपुर
5.	जगदीश	खाजूवाला
6.	राजेश	झुंझुनू
7.	सुशीला सिंघवी	जयपुर
8.	नन्द किशोर महावर	अजमेर
9.	अशोक सादा	कोटा
10.	कृष्ण गोपाल बांगड़	भीलवाड़ा
11.	पूर्णिमा देवी मेहता	शास्त्री नगर
12.	दलजीत सिंह चावला	कोटा
13.	तारा जैन	बूंदी
14.	लालूराम सोलंकी	उदयपुर
15.	शशि बदाना	जयपुर
16.	कुशल चंद	जयपुर
17.	राजेश कुमार जैन	जयपुर
18.	लीला देवी	बीकानेर
19.	श्रीमती किरण देवी जैन	अजमेर
20.	कविता बालानी	अजमेर
21.	मनसुख लाल लोढ़ा	जयपुर
22.	राजरानी राजपाल	कोटा
23.	श्रीमती शांति ओझा	जोधपुर
24.	देवराज	जोधपुर
25.	नीता कोका	पाली
26.	केशरीमल जैन	झालावाड़
27.	चंदा देवी मालू	श्रीडूंगरगढ़
28.	शांति देवी नाबेड़ा	भीलवाड़ा
29.	पुखराज भटेवरा	ब्यावर
30.	नरेन्द्र कुमार चौहान	बारां
31.	डालचंद जागेटिया	भीलवाड़ा
32.	माया देवी	भीलवाड़ा
33.	दीपक जिंदानी	कोटा
34.	चुन्नी लाल बम्ब	किशनगढ़
35.	हेमलता चौधरी	चित्तौड़गढ़
36.	श्रीमती सोमा देवी शर्मा	अजमेर
37.	सजन चंद भंडारी	जोधपुर
38.	अमर चंद बोथरा	श्रीडूंगरगढ़
39.	चंद्रकला बोराड़	श्रीडूंगरगढ़
40.	मंगला सहगल	कोटा
41.	अहाना आगीवाल	अजमेर
42.	सुहानी मेहरा	अजमेर
43.	संध्या नाहर	उदयपुर
44.	विनय कोठारी	उदयपुर
45.	घनश्याम दास लिमानी	बापूनगर, जयपुर
46.	ओम प्रकाश	झुंझुनूं
47.	बिशना राम	जयपुर
48.	ब्रिजेश गट्टानी	जोधपुर
49.	धनपत राज भन्साली	जोधपुर
50.	सुमति चंद जैन	जयपुर
51.	द्वारकादास चांडक	जयपुर
52.	भंवर दान चारण	जोधपुर
53.	थानमल चोरडिया	सुजानगढ़
54.	प्रेमलता परमार	झालावाड़
55.	शांति देवी	श्रीगंगानगर
56.	मनीराम जाट	चूरू
57.	प्रमोद सिंह	झुंझुनू
58.	शांति लाल सुराणा	उदयपुर
59.	संदीप प्रजापत	नागौर
60.	गुलाबदेवी कोठारी	अजमेर
61.	अवतार सिंह	कोटा
62.	सावित्री रिजवाने	बापूनगर
63.	रवि खेमशरा	उदयपुर
64.	श्रवण कुमार	सीकर
65.	नरेंद्र पाठक	अजमेर
66.	मनोहरलाल बाबेल	ब्यावर
67.	लल्लू राम मीना	जयपुर
68.	जमना प्रसाद	जयपुर
69.	अयोध्या देवी	कोटा
70.	रमा मित्तल	जयपुर
71.	अमरजीत कौर	ब्यावर
72.	अनसूया भूतरा	जोधपुर
73.	श्रीपाल चंद मेहता	जोधपुर
74.	अनिल कोठारी	जोधपुर
75.	भगवान सिंह	हिंडौन
76.	गिदियों सोलोमन	अजमेर
77.	श्रीमती कमला देवी छाजेड़	ब्यावर
78.	श्रीमती कौशल्या देवी झंवर	अजमेर
79.	आशा शर्मा	कोटा
80.	चंद्रप्रकाश चौपड़ा	झालावाड़
81.	पूरण चंद	श्रीगंगानगर
82.	अम्बा लाल चपलोत	उदयपुर
83.	प्रेम मेघवाल	उदयपुर
84.	लक्ष्मी चंद मेहता	जोधपुर
85.	विमला देवी	जोधपुर
86.	किरण चोरडिया	जोधपुर
87.	रेवंती देवी बैद	श्रीडूंगरगढ़
88.	विमला देवी	पाली
89.	मोहन जी जैन	पाली
90.	मनोहरी लाल	भरतपुर
91.	पारस मल चोरडिया	जोधपुर
92.	सत्य शेखर शर्मा	जोधपुर
93.	सरस्वती देवी अग्रवाल	भीलवाड़ा
94.	महेंद्र सिंह बापना	वैभव नगर
95.	टीकम चंद	जयपुर
96.	मनोज कुमार	झुंझुनूं
97.	सोनिया जैन	पुरानी धान मण्डी
98.	भूरसिंह रावत	ब्यावर
99.	गायत्री	सेरुना
100.	केदार मल	मेघासार
101.	गायत्री	सेरुना
	फरवरी 2026	
1.	राजकुमार रेगर	अजमेर
2.	गणपत सिंह रावत	ब्यावर
3.	बाबूलाल जैन	कोटा
4.	सीमा चौधरी	अजमेर
5.	तारा देवी मेहता	उदयपुर
6.	प्रेमलता विग	कोठी रोड, एसजीएनआर
7.	अमित जोंस	जोधपुर
8.	कृष्णा कुमारी गुप्ता	कोटा
9.	अशोक	बीकानेर
10.	श्रीमती सुशीला देवी पारीक	सीकर
11.	श्रीमती पदमा सांखला	जोधपुर
12.	पुष्पा देवी मेहता	भीलवाड़ा
13.	कृष्ण चंद	जयपुर, हस्तिनापुर
14.	श्रीमती सुशीला देवी मिश्रा	धानी नाडी

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स. | नाम | पता

15. रामचरण गुप्ता, कोटड़ी, गोवर्धनपुरा
16. गिरधारी लाल विदानी, बूंदी
17. प्रेम सिंह परिहार, कोटा
18. विमल कुमार नाहटा, सरदारशहर
19. रायसिंह जैन, झालावाड़
20. मनोज, नोखा
21. अरूण कुमार, जयपुर
22. काला पिचोलिया, कोटा
23. हरि देवु, विनोबा बस्ती, एसजीएनआर
24. दुलीचंद चोरड़िया, बीकानेर
25. सत्यनारायण लाढ़ा, जोधपुर
26. भंवर लाल पारख, श्रीडूंगरगढ़
27. राम प्रसाद, झालावाड़
28. राघव गुप्ता, जयपुर
29. जगन्नाथ सेन, कोटा
30. अशोक कुमार सैन, जयपुर
31. राम दास, मुखर्जी नगर
32. कुमारी सपना, जोधपुर
33. गीता शर्मा, बूंदी
34. विनय छाबड़ा, कोटा
35. अनूप सिंह, भरतपुर
36. विजया गुप्ता, जयपुर
37. महेंद्र कुमार, 29 एमएल बिझवायला
38. कांता देवी श्यामसुखा, सरदारशहर
39. नीटू दवे, जयपुर
40. सुरेंद्र कुमार, शास्त्री नगर
41. रक्षिता, कालाडेरा, चौमूं
42. अनिल शर्मा, जयपुर
43. कमल प्रभा रांका, उदयपुर
44. राजेश जाट, जयपुर
45. राजकुमार जैन, उदयपुर
46. दीवान दास, पुलिस लाइन गौतम डेहरी के पास
47. गुरसिमर सिंह, 15–बी प्रेम नगर एसजीएनआर
48. ललिता देवी, झालावाड़
49. विक्रम वर्मा, कोटा
50. केशव प्रसाद, पाली
51. कुशल राज, पाली
52. सुरजीत धमीजा, कोटा
53. नरेन्द्र सिंह शेखावत, सीकर

क्र.स. | नाम | पता

54. गोपाल दास, भीलवाड़ा
55. परवीन मिगलानी, श्रीगंगानगर
56. निखिल जैन, भीलवाड़ा
57. सियाराम मेघवंशी, अजमेर
58. रामचन्द्र भील, झालावाड़
59. विद्या देवी, पंजाबी सिटी, परवीन मुजराल
60. रवि राठौड़, जोधपुर
61. नरेश कुमार बाफना, अजमेर
62. रमा कुमारी, बारां
63. मनुश्री शर्मा, बूंदी
64. शकुंतला जैन, कोटा
65. नवीन मदान, गली नंबर 5 भांभू कॉलोनी
66. छवि रोहिड़ा, उदयपुर
67. संतोष देवी, श्रीगंगानगर
68. राजू गुर्जर, अलवर
69. भरतसिंह रावत, अजमेर
70. सूरजमल बंसल, कोटा
71. श्रीमती निर्मला देवी गर्ग, ब्यावर
72 लक्ष्मण, अलवर
73. अजय कुमार, झुंझुनूं
74 वेनिदान संदु, पाली
75. मनफूल , रासीसर नोखा
76. कुसुमलता सोनी, कोटा
77. मुकेश गुप्ता, कोटा
78. मंजू शुक्ला, कोटा
79. रजत शर्मा, बांदीकुई, दौसा
80. मोहित, अब्बाघर आटा अप
81. मोहनदास जैसवानी, भीलवाड़ा
82. पवन कुमार शर्मा, कोटा
83. कमला देवी डागा, श्रीडूंगरगढ़
84. संतोष देवी लीला, सरदारशहर
85. दिनेश कुमार अग्रवाल, कोटा
86. कृष्णा देवु, 78–एन ब्लॉक एसजीएनआर
87. श्रीमती देवी, भरतपुर
88. विक्रम, अलवर
89. कल्पेश धारीवाल, पाली
90. तर्पिता जोशी, जोधपुर
91. मोहनलाल जी झालावाड़
92. सायरी, नागौर

क्र.स. | नाम | पता

93. दौलत बाई गुप्ता, झालावाड़
94. आनंद कुमार, अतरौली एटा (उ.प्र.)
95. नेत राम स्वामी, सरदारशहर
96. बसंती लाल जी पगारिया, उदयपुर
97. रमेश जी चोरडिया, उदयपुर
98. अरविंद सिंह चौधरी, भीलवाड़ा
99. लीलाराम बाई, कोटा
100. कृष्णलाल, हनुमानगढ़

मार्च 2026

1. राकेश जी जैन, बड्डावर
2. गुणमाला जैन, कोटा
3. अरविंद कुमार जैन, कोटा
4. राम कुमार, श्रीगंगानगर
5. रवि माघवशी, अजमेर
6. प्रशांत धोलपुरिया, अजमेर
7. हर्ष तातेर, दिल्ली
8. लोकेश तिनाणी, अजमेर
9. मुन्नीदेवी बालोतिया, नागौर
10. श्रीमती रुक्मणी देवी रावत, अजमेर
11. लक्ष्मी लाल सिंघवी, उदयपुर
12. कैलाश चंद मीना, जयपुर
13. लक्ष्मण दास दर्डा, बूंदी
14. मोहित जैन, कोटा
15. बाबूलाल, बीकानेर
16. मोहन लाल जैन, कोटा
17. मिनाक्षी शर्मा, नयामदाना
18. दिलखुश मीना, बिहारी पुरा, बस्सी
19. प्रकाश कोठारी, जयपुर
20. श्रीमती सरस्वती देवी, रतनगढ़
21. श्रीमती मनोरमा देवी जैन, अजमेर
22. अश्वनी कुमार शर्मा, उदयपुर
23. ओमप्रकाश, नोखा, बीकानेर
24. आशा भंडारी, जोधपुर
25. खानी बाई जैन, बूंदी
26. श्रीमती आजाद देवी टांक, ब्यावर
27. किरण भन्साली, जोधपुर
28. गीता बाई, झालावाड़
29. प्रकाश चंद, अजमेर
30. सुरेश सोमानी, बांसवाड़ा

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता
31.	लोकेश मीना	सवाईमाधोपुर
32.	सुदर्शन देवु	8–पी ब्लॉक एसजीएनआर
33.	हार्दिक शर्मा	बीकानेर
34.	मेघराज	बीकानेर
35.	भींवराज चोरडिया	सुजानगढ़
36.	डॉ. निरोज शर्मा	जोधपुर
36.	शांति देवी माल	भीलवाड़ा
38.	हार्दिक पंवार	जोधपुर
39.	खुशीराम नेभनानी	कोटा
40.	शांति देवी	204 जी ब्लॉक एसजीएनआर
41.	मोहनसिंह रावत	ब्यावर
42.	रविचन्द्र	बीकानेर
43.	पवन टॉक	जोधपुर
44.	सुभाष कालवा	चूरू
45.	हरबंस सिंह अरोड़ा	झालावाड़
46.	नीतू	श्रीगंगानगर
47.	कर्ता राम	4–बी–21, जवाहर नगर SGNR

क्र.स.	नाम	पता
48.	संतोषदेवी राव	अजमेर
49.	रोशन लाल सिंघवी	उदयपुर
50.	महेश मोटवानी	उदयपुर
51.	हिम्मत बाई	उदयपुर
52.	प्रभाकर गोहदकर	कोटा
53.	प्रकाश चंद	झुंझुनूं
54.	दाउद	हाथरस (उ.प्र.)
55.	प्रकाशचंद जामर	अजमेर
56.	नवजोत सिंह	गंगानगर
57.	बजरंग लाल छाजेड़	सरदारशहर
58.	सेठादेवी रावत	अजमेर
59.	कन्हैया लाल	चित्तौड़गढ़
60.	धर्मेन्द कोठारी	जोधपुर
61.	देव रतन भटनागर	जयपुर
62.	उर्मिला देवी	श्रीडूंगरगढ़
63.	सुनीता जी बंब	भीलवाड़ा
64.	हर्षित खंडेलवाल	जयपुर

क्र.स.	नाम	पता
64.	श्रीमती लक्ष्मी देवी	भीलवाड़ा
66.	राजेंद्र कुमार श्रीमाल	कोटा
67.	जगदीश प्रसाद अग्रवाल	भीलवाड़ा
68.	हेमन्त बागानी	अजमेर
69.	राजेश छाबड़ा	जयपुर
70.	सोनू रे	कोटा
71.	सुरेश चंद जैन	जयपुर
72.	विन्तोष मीणा	महल ढाकरी
73.	रामपाल	बारात बोझ
74.	महावीर प्रसाद रांकावत	सरदारशहर
75.	सत्या चलाना	श्रीगंगानगर
76.	मीनाक्षी महावर	टोंक
77.	विमला देवी	सीकर
78.	रामावतार त्रिवेदी	139 गांधी नगर SGNR
79.	जसपाल सिंह	31–पी ब्लॉक SGNR
80.	सरोज शर्मा	2/222 सिंधी कॉलोनी SGNR
81.	सुशीला देवी शर्मा	झालावाड़

Gift of Sight

Udaipur -

A noble act of humanity and compassion was recently recognized at Geetanjali Medical College & Hospital, Udaipur, where the family of Late Smt. Meera Sharma was honored with a Certificate of Appreciation for their generous contribution of body donation.

In addition to this, the family also carried out eye donation, giving the gift of sight to those in need. This noble initiative was supported by the Eye Bank Society, Udaipur Chapter, whose timely efforts ensured that the corneas could be successfully retrieved and utilized.

This selfless gesture, inspired and motivated by Shri Bhavar Ji Seth Sahab, reflects a deep commitment towards the advancement of medical education, research, and humanitarian service. The body donation has been made to the Department of Anatomy, where it will play a vital role in training future doctors and enhancing medical knowledge.

Hospital authorities expressed profound gratitude to the family and acknowledged the vital role of the Eye Bank Society, Udaipur Chapter, in facilitating eye donation and spreading awareness about this life-changing cause.

Such acts of kindness not only support medical science but also serve humanity in the truest sense—helping improve and save countless lives. Body and eye donation are considered among the highest forms of service to society, and initiatives like these inspire others to come forward for this noble cause.

The contribution stands as a lasting legacy of compassion, inspiring the community to embrace the values of generosity and social responsibility.

Motivational lecture at Sanward School University Road Udaipur by S.M.Porwal

एपीएफ परियोजना से बदलता राजस्थान का नेत्र स्वास्थ्य परिदृश्य

अंधकार से प्रकाश की ओर जीवन बदलने की पहल

यह परियोजना केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान है। अगले तीन वर्षों में:

- लगभग 2100 कॉर्निया संग्रहित किए जाएंगे रपव 1300 से अधिक प्रत्यारोपण संभव होंगे

इसका सीधा अर्थ है हजारों लोगों के जीवन में फिर से रोशनी लौटेगी, आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और उनका जीवन सम्मान के साथ आगे बढ़ेगा।

गाँव–गाँव तक पहुँचेगी आँखों की देखभाल

ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी एक बड़ी चुनौती है। इस परियोजना के तहत:

- मोबाइल आई हेल्थ कैंप के माध्यम से 7 जिलों में 72 शिविर आयोजित किए जाएंगे रपव लगभग 7200 लोगों की नेत्र जांच की जाएगी

यह पहल उन लोगों तक सेवाएँ पहुँचाएगी, जो अब तक इलाज से वंचित थे।

मुफ्त उपचार गरीबों के लिए राहत

परियोजना के अंतर्गत:

- 5500 से अधिक लोगों को मुफ्त दवाइयाँ और चश्मे दिए जाएंगे
- जरूरतमंदों को सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सर्जरी के लिए रेफर किया जाएगा

इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी और उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा।

जागरूकता से बदलेगी सोच

आज भी समाज में आँखों के दान को लेकर कई भ्रांतियाँ और डर मौजूद हैं।

इस परियोजना के तहत:

- 120 से अधिक जागरूकता कार्यशालाएँ

इससे लोगों की सोच बदलेगी, मिथक टूटेंगे और अधिक लोग आँखों के दान के लिए प्रेरित होंगे।

आँखों के दान की संस्कृति का निर्माण

- लगभग 3600 लोगों द्वारा नेत्रदान का संकल्प लिया जाएगा

यह पहल समाज में सेवा और परोपकार की भावना को मजबूत करेगी।

समुदाय के साथ मजबूत साझेदारी

इस अभियान में:

- एनजीओ, पंचायत, पुलिस और शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी होगी

यह सहयोग परियोजना को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाएगा और समाज का विश्वास बढ़ाएगा।

समाज में समावेश और सम्मान

जब किसी व्यक्ति की दृष्टि लौटती है, तो:

- बच्चे फिर से पढ़ाई कर पाते हैं , वयस्क रोजगार पा सकते हैं रपव बुजुर्गों की निर्भरता कम होती है

यह परियोजना केवल आँखों की रोशनी ही नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता और सम्मान भी लौटाती है।

नेत्रदान का संकल्प करना हुआ अब आसान

- अपने मोबाईल से इस नम्बर पर मिस्डकॉल करें।

7375 855 855

- एसएमएस प्राप्त होने पर वेबसाइट लिंक को क्लिक कर संकल्प पत्र भरें।
- उसी पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

SCAN & PAY

BHIM SBI Pay

We are looking forward to generous contributions from Organisation, Individuals for this Noble Cause. Bank Particulars for Donations through RTGS/NEFT are as follows :

Bank Name : State Bank of India
A/c No. : 38700274930
Branch : Malviya Nagar Branch, Jaipur, India
IFSC Code : SBIN0006912.
Donation by Cheque/Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302 004
फोन : 0141-260 4117, 8559900955, 98292 14013 E-mail : ebsr_jp@hotmail.com • website : www.ebsr.in

For Eye Donation Call Toll Free No. - 18002020388

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI • BIKANER • SHRI GANGANAGAR • BHARATPUR • CHURU

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302004 द्वारा प्रकाशित
सम्पादक : उषा बापना, सह–सम्पादक : गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in Face book page : fb/eyebanksocietyofraj Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)